आरती कुंज बिहारी की

आरती कुंज बिहारी की, श्री गिरधर कृष्णमुरारी की॥ (टेक)

गले में बैजंतीमाला, बजावै मुरलि मधुर बाला।

श्रवन में कुण्डल झलकाला, नंद के आनन्द नन्दलाला॥

श्री गिरधर कृष्णमुरारी की…

गगन सम अंग कांति काली, राधिका चमक रही आली,

लतन में ठाढ़े बनमाली, भ्रमर-सी अलक, कस्तूरी तिलक,

चन्द्र-सी झलक, ललित छवि स्यामा प्यारी की।

श्री गिरधर कृष्णमुरारी की…

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कनकमय मोर-मुकुट बिलसै, देवता दरसन को तरसैं,
गगन सों सुमन रासि बरसै, बजे मुरचंग, मधुर मिरदंग,
ग्वालिनी संग, अतुल रति गोपकुमारीकी।
श्री गिरधर कृष्णमुरारी की...

जहाँ ते प्रगट भई गंगा, सकल-मल-हारिणि श्रीगंगा,
स्मरन ते होत मोह-भंगा, बसी सिव सीस, जटा के बीच,
हरै अघ कीच, चरन छबि श्री बनवारी की।
श्री गिरधर कृष्णमुरारी की...

चमकती उज्ज्वल तट रेनू, बज रही बृन्दाबन बेनू,
चहूँ दिसि गोपि ग्वाल धेनू, हँसत मृदु मंद, चाँदनी चंद,
कटत भव-फंद, टेर सुन दीन दुखारी की।
श्री गिरधर कृष्णमुरारी की...

आरती कुंज बिहारी की। श्री गिरधर कृष्णमुरारी की।

श्री गिरधर कृष्णमुरारी की…

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

हिंदीपथ.कॉम

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम

- गुरु गोरखनाथ
- रघुवर लला
- लड्डू गोपाल
- गीता जी
- बद्रीनाथ
- श्री रामायण जी
- सरस्वती माता
- गौ माता
- केदारनाथ की
- बाबा बालक नाथ की
- श्री भागवत भगवान
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम